

11/5/10

पञ्जाबी भाषा राजस्व लोक असाधारण
रूप पर जाननेवाला मे पेशा हुई।
पञ्जाबी एवं सरकारी पैरोकार
अपचित ।

दोनों पक्षों के सुना गया
पञ्जाबी ने निवेदन किया की शुल
वाद अदालत पैरवी मे स्वारिज
हुआ। इलाक़िह पुनः नम्बर पर
लिखा जाकर पुनः सुना गुनो पर
निर्णित किया जाय।

पञ्जाबी के अला तर्कों का
सरकारी पैरोकार मे विरोध किया
और अपन किया की अर्पणित
अवेदन पर परीक्षीया मलाभवाय
के बाहर प्रस्तुत किया है। धारा
७५ में निर्देशानुसार ७५ का पेशा नहीं
किया है। इलाक़िह अर्पणित पर
आगे रही न्याय समता है।

सुना पञ्जाबी का अवलोकन करपन
किया। न्यूनी पुनः अदालत पैरवी मे
स्वारिज हुआ इलाक़िह पुनः पुनः
अदालत कराने मे अर्पित अवेत

हुक्म या कार्यवाही मय इतिशियल्य जज

नम्बर व तारीख
अहकाम जो इस हुक्म
की तामील में जारी हु

होता हो लारी कोई पक्षक अपना
पक्ष रखने से वांचित नहीं रहे।
द्वितीया अर्थ मा अर्थ पक्ष
स्वीकार कर मूल वाद स्ख्या
181/2001 पुनः अमल दरामद करार
का आदेश दिया जाता है।
पक्षकली जेपल खुला होकर
सारील समुत्तर हो। मूल वाद मे
साम जल्पी रहे।
अपने सामान्य लोक अपाव
कम्प मे लिखा गया।

(भागीरथ राम)

पीठासीन अधिकारी लोक अदालत/कोर्ट कैम्प-2018
उपखण्ड अधिकारी एवं पदेन सहायक कलेक्टर
बालोतरा कैम्प.....